2 मार्च, 2019 को रत्नगिरि, महाराष्ट्र में मसाले के लिए क्रेता–विक्रेता बैठक

मसाला बोर्ड, देश में उत्पादित मसालों को बढ़ावा देने के साथ–साथ मसालों की आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के उद्देश्य से पूरे भारत के प्रमुख स्थानों पर क्रेता–विक्रेता बैठक (बीएसएम)का आयोजन कर रहा है। बीएसएम, मसाला उद्योग के खरीददारों और विक्रेताओं के लिए एक साझा मंच प्रदान करता है, जिससे प्रभावी बाजार संपर्क स्थापित किया जा सके।

महाराष्ट्र, देश की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, इसकी राजधानी, मुंबई, देश की वित्तीय राजधानी के रूप में स्थापित है। वर्ष 2015–16 में, राज्य ने लगभग 41,820 हेक्टेयर क्षेत्र से 3,71,710 मीटरी टन मसालों का उत्पादन किया। राज्य में –हल्दी, अदरक, मिर्च, कोकम, लहसुन, दालचीनी, धनिया, कालीमिर्च, जायफल, मेथी, इमली, आदि प्रमुख मसालों की खेती होती है।

राज्य ने 20 से अधिक कृषि भौगोलिक संकेत (जीआई) पंजीकृत किए हैं, जिनमें चार मसाले–सिंधुदुर्ग और रत्नगिरि कोकम (जीआई नंबर 474), वायगांव हल्दी (जीआई नंबर 471), भिवापुर मिर्च (जीआई नंबर 473), शोलापुर अनार (जीआई नंबर 502) और सांगली हल्दी (जीआई नंबर 496) शामिल हैं। । कोंकण क्षेत्र, भारत के पश्चिमी तट पर पश्चिमी घाट और अरब सागर के बीच एक सुंदर और भगवान के उपहार में मिली भूमि है, जो महाराष्ट्र के 'स्वर्ग का छोटा टुकड़ा' के रूप में जाना जाता है, जो उत्तर में पालघर से 720 किमी दूर दक्षिण में सिंधुदुर्ग तक फैला हुआ है। पांच जिलों (सिंधुदुर्ग, रत्नागिरि, रायगढ़, ठाणे और पालघर) से युक्त इस क्षेत्र में पश्चिमी घाटों में प्रचलित उपयुक्त कृषि जलवायविक परिस्थितियों के कारण कालीमिर्च, दालचीनी, जायफल और कोकम जैसे मसालों की खेती की अपार संभावनाएं हैं। कोंकण में नारियल के बागान के 32000 हेक्टेयर हैं, जिनमें से, सिंधुदुर्ग में 50% क्षेत्र यानी 16000 हेक्टेयर है, जो कि मसालों के अंतराल–फसल उगाने की गुंजाइश रखता है।

राज्य के कोंकण क्षेत्र में मुख्य रूप से रत्नगिरि और सिंधुदुर्ग जिलों में उत्पादित मसालों की क्षमता को पूरा करने के उद्देश्य से, देश भर के निर्यातकों और क्षेत्र के विक्रेताओं /उत्पादकों के बीच संबंधों को सुकर बनाने के लिए, बोर्ड, 2 मार्च, 2019 को राज्य कृषि विभाग, महाराष्ट्र और एटीएमए द्वारा आयोजित किए जानेवाले कृषि महोत्सव 2019 के साथ देविलिकार ग्राउंड, मजगांव रोड, रत्नगिरि में एक क्रेता–विक्रेता बैठक आयोजन करने का प्रस्ताव करता है।

रत्नगिरि और सिंधुदुर्ग क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों, किसान सोसाइटियों, एस एच जी–ओं, एफ़ पी ओ, एन जी ओ, प्रसंस्करणकर्त्ता और व्यापारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 200 विक्रेता इस आयोजन में भाग लेंगे। क्रेता–विक्रेता बैठक में ज़ोर दिए जानेवले मसाले कालीमिर्च,कोकम,जायफल,दालचीनी और लौंग हैं।

मसालों के सभी निर्यातकों को इस क्षेत्र के मसालों के विक्रेताओं /आपूर्तिकर्ताओं के साथ सीधे बाजार संबंध बनाने के लिए मंच से लाभ उठाने केलिए सौहार्दपूर्वक आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक निर्यातक 28 फरवरी,2019 सायं 4.00 बजे तक निम्नलिखित विवरण के साथ dm.sb-ker@gov.in और nithin.joe@nic.in प्रतिलिपि के साथ कृपया sbromumbai@gmail.com पर मेइल द्वारा बीएसएम में भाग लेने की अपनी इच्छा सूचित कर सकते हैं।

संपर्क नंबर और ईमेल आईडी के साथ फर्म का नाम और पूरा पता:
मसाला बोर्ड एक्सपोर्टर रजि.सं.(सी आर ई एस):
नाम और संपर्क नंबर और ईमेल आईडी के साथ भाग लेनेवाले व्यक्ति का पदनाम:
आवास की अपेक्षा : हाँ / नहीं

बाहरी निर्यातकों के लिए, यदि आवश्यक हो तो आवास (एक सिंगल / डबल कमरा प्रति फर्म) और परिवहन सुविधाएं (गोवा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से रत्नगिरि तक) प्रदान करने के लिए बोर्ड तैयार है।

पूछताछ के लिए, श्री सुरेश एस / मणिकंठन एम, सहायक निदेशक, स्पाइसेस बोर्ड, मुंबई से दूरभाष: 022-27630035 / 37/38 पर संपर्क करें।

***